कार्यालय– निदेशक, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय,बीकानेर

क्रमांकः–शिविरा–माध्य/गुण एवं प्रशि अनु/MSRA/61186/2024–25/पार्ट–7 दिनांकः–10.07.2026

अकादमिक कार्ययोजना

(दिशा–निर्देश 2026–27)

भूमिकाः–

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में प्रारंभिक स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने को प्रमुख रूप से रेखांकित किया गया है। सत्र 2026–27 में हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता यह रहेगी कि प्राथमिक स्तर पर सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करना होगा। सीखने की बुनियादी आवश्यकताओं (अर्थात मूलभूत स्तर पर पढना, लिखना और अंकगणित) में दक्ष होने पर विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि, व्यक्तित्व विकास तथा शिक्षा में रूचि बढ़ती है एवं विद्यार्थियों को भविष्य की शिक्षा के लिए मजबूत आधार मिल पाता है। इसके लिए मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान (MSRA) अंतर्गत राज्य के समस्त राजकीय विद्यालयों (प्राथमिक/उच्च प्राथमिक/उच्च माध्यमिक) में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के उद्देश्य, FLN के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु शिक्षकों की क्षमतावर्धन के साथ–साथ बाल केन्द्रित पेडागोजी (CCP) के आधार पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) तथा गतिविधि आधारित शिक्षण (ABL), दक्षता आधारित आकलन (CBA) एवं ओरल रीडिंग फ्ल्यूऐन्सी (ORF) आकलन को अपनाया गया है।

उद्देश्यः–

- ज्ञान को स्थाई एवं प्रभावी बनाते हुए प्राथमिक शिक्षा की नींव को मजबूत करना।
- FLN के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु कार्ययोजना निर्माण कर क्रियान्वयन करना।
- गतिविधि आधारित शिक्षण द्वारा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को रुचिकर, आनन्ददायी एवं प्रभावी बनाना।
- बुनियादी दक्षताओं में कठिनाई महसूस कर रहे विद्यार्थियों को कक्षा स्तर के अनुसार तैयार करना।
- बच्चों में 21 वीं सदी के कौशलों की समझ विकसित करना।
- विद्यालय में विद्यार्थियों के नामांकन एवं ठहराव में वृद्धि करना।
- विद्यार्थियों के लिए कक्षा–कक्षीय गतिविधियों हेतु अधिक समय उपलब्ध करवाना

शैक्षिक सत्र 2026–27 हेतु निपुण के लक्ष्यः–

कक्षा 1 में लक्ष्य (आयु 6–7 वर्ष)	कक्षा 2 में लक्ष्य (आयु 7–8 वर्ष)
मौखिक भाषा (Oral Language)– 1. अपनी ज़रूरतों, परिचित परिवेश और आस– पास के बारे में दोस्तों और कक्षा शिक्षक के साथ बातचीत करते है और सवाल पूछते हैं। 2. कक्षा, विद्यालय परिसर और आस– पास उपलब्ध	**मौखिक भाषा (Oral Language)–** 1. कक्षा में उपलब्ध मुद्रित सामग्री (print available) के बारे में आत्मविश्वारा के साथ बातचीत करते हैं।

RajKaj Ref No.:
23340073

मुद्रित सामग्री (print available) के बारे में बातचीत करते हैं। 3. अभिनय/हावभाव के साथ तुकबंदी/कविता/ गीत का सस्वर पाठ करते हैं।	2. सवाल पूछने और दूसरों को सुनने के लिए बातचीत में भाग लेते हैं । 3. गीत/कविता का सस्वर/हावभाव के साथ वाचन कर पाते हैं । 4. कहानियों/कविताओं/मुद्रित सामग्री आदि में बार–बार आने वाले परिचित शब्दों को दोहराते हैं ।
पढ़ना (Reading)– 1. बोलकर पढ़ने (read aloud)/कहानी सुनाने के सत्र के दौरान सक्रिय तरीके से भाग लेते हैं और प्रश्नों के उत्तर देते है विभिन्न वस्तुओं और कठपुतलियों के साथ परिचित कहानी का अभिनय कर पाते हैं। 2. नए शब्दों को पढ़ने के लिए ध्वनि– प्रतीक संयोजन (sound symbol correspondence) का उपयोग कर पाते हैं। 3. आयु–उपयुक्त अज्ञात पाठ (unknown text) में कम से कम 4–5 सरल शब्दों वाले छोटे वाक्य पढ़ पाते हैं। **लिखना (Writing)–** 1. परिचित संदर्भों(कहानी/कविता/पर्यावरण मुद्रित सामग्री आदि) में आने वाले शब्दों में मात्राओं से परिचित होते हैं। 2. अर्थ व्यक्त करने के लिए अपनी वर्कशीट पर लिखते हैं, चित्र बनाते हैं, अपना नाम लिख पाते हैं और वस्तुओं/लोगों के चित्र बनाते हैं 3. सही वर्तनी (invented spellings) के साथ शब्द लिखने के लिए ध्वनि–प्रतीक संयोजन कौशलों का उपयोग करते हैं। 4. समझ के साथ सरल शब्दों वाले छोटे 2–3 वाक्य लिख पाते हैं। **संख्या ज्ञान (Numeracy)–** 1. 20 तक की संख्याओं को गिन पाते हैं और संख्याओं को पहचान पाते हैं। 2. अपने परिवेश, आकृतियों और संख्याओं में सरल पैटर्न को पहचानते हैं और उसे आगे भी बढ़ा पाते हैं। 3. दैनिक जीवन उदाहरणों में 9 तक की संख्याओं का जोड़ और घटाव (योग 20 से अधिक न हो) कर पाते हैं। 4. अपने आस–पास की त्रिविमीय आकृतियो (3D shapes) (ठोस आकृतियों) के भौतिक गुणों जैसे	**पढ़ना (Reading)–** 1. बच्चों के साहित्य/पाठ्यपुस्तक की कहानियों को पढ़ते और मौखिक रूप से सुनाते/पुनः सुना पाते (re-tells) हैं। 2. दिए गए शब्द के अक्षरों से नए सार्थक शब्द बना पाते हैं । 3. उचित हावभाव, स्पष्टता और धाराप्रवाह के साथ 6 से 8 वाक्यों का आयु–उपयुक्त अज्ञात पाठ (unknown text) समझ के साथ पढ़ पाते हैं । **लिखना (Writing)–** 1. अपनी समझ और अभिव्यक्ति को व्यक्त करने के लिए छोटे/सरल वाक्य लिखते हैं। 2. सुलेखन (legible writing) के साथ 4 से 5 छोटे वाक्य लिख पाते है। **संख्या ज्ञान (Numeracy)–** 1. 99 तक की संख्याओं को गिनते हैं और पहचान कर पाते हैं । 2. विभिन्न आकृतियों और संख्याओं से नए पैटर्न बनाते हैं। 3. दैनिक जीवन के उदाहरणों में 99 तक की संख्याओं का जोड़ और घटाव (योग 99 से अधिक न हो) कर पाते हैं । 4. बार–बार जोड़ना (repeated addition)

RajKaj Ref No.:
23340073

गोल/सपाट सतहों, कोनों और किनारों की संख्या आदि का अवलोकन करते हैं और उनके बारे में बात कर पाते हैं । 5. गैर–मानक इकाइयों (non & standard units) जैसे हाथ की चौड़ाई (hand span), कदम (footstep), अँगुली और कप, चम्मच, मग आदि जैसी गैर–मानक मानक इकाइयों (standard uniform units) का उपयोग करके लंबाई और क्षमता का अनुमान लगा पाते हैं और सत्यापित भी कर पाते हैं। 6. 20 रूपये तक के भारतीय मुद्रा, नोटों और सिक्कों की पहचान कर पाते हैं ।	/बराबर बाँटना (equal distribution) /साझा करना (sharing) के रूप में गुणा (multiplication) करते हैं और 2, 3 और 4 के गुणा तथ्य (पहाड़े) बना पाते हैं। 5. आयताकार, त्रिभुज, वृत्त, अंडाकार (oval) आदि जैसी 2–D आकृतियों को पहचानते हैं और उनके बारे में बता पाते है। 6. रॉड, पेंसिल, धागा, कप, चम्मच, मग आदि जैसी गैर–मानक इकाइयों का उपयोग करके लंबाई/दूरी/क्षमता का अनुमान लगाते हैं और मापते हैं, और सरल तराजू (simple balance) का उपयोग करके वजन की तुलना कर पाते हैं । 7. स्थानिक शब्दावली (spatial vocabulary) जैसे दूर/पास, अंदर /बाहर, ऊपर/नीचे,बाएँ/दाएँ,सामने/पीछे, शीर्ष/तल (top/bottom) आदि का उपयोग करते हैं। 8. 100 रूपये तक के नोटों और सिक्कों का उपयोग करके सरल लेन–देन (simple transaction) कर पाते हैं।

सत्र 2026–27 हेतु अकादमिक कार्य योजना

1. सत्र 2026–27 का संचालन शिविरा पंचांग के अनुसार किया जाएगा।
2. **प्रवेशोत्सव–** इस कार्यालय के आदेश दिनांक– 25.03.2026 द्वारा प्रवेशोत्सव के विस्तृत दिशा–निर्देश जारी किये गये थे जिसके अन्तर्गत दिनांक– 11.07.2026 तक प्रवेशोत्सव का संचालन किया जा रहा है। प्रवेशोत्सव के दौरान निम्न कार्य प्राथमिकता से किये जाये –.
   - हाउस होल्ड सर्वे के माध्यम से अनामांकित एवं ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान करना।
   - आंगनबाड़ी के कक्षा–1 में प्रवेश योग्य समस्त विद्यार्थियों को विद्यालयों में नामांकित करना।
   - हाउस होल्ड सर्वे के दौरान चिन्हित किए गए बच्चों का विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित करना।
   - नवप्रवेशित विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकें, कार्यपुस्तिका आदि शिक्षण अधिगम सामग्री उपलब्ध कराना।

RajKaj Ref No.:
23340073

3. <u>कक्षा 1 से 5 तक की शिक्षण व्यवस्था</u> –

❖ **कक्षा 1–2 के लिए :**

- सत्र के आरम्भ में कक्षा 1 के विद्यार्थियों के साथ 12 सप्ताह तक स्कूल रेडिनेस (विद्या प्रवेश) की कार्यपुस्तिका पर कार्य करवाया जाएगा, जिससे नवप्रवेशित विद्यार्थियों का विद्यालय के साथ सामन्जस्य स्थापित हो सके। (विस्तृत दिशा–निर्देश राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर के पत्रांक– राजकाज न– 21600168 दिनांक– 21 अप्रैल, 2026 द्वारा जारी किये गये है)
- कक्षा 1 और 2 के विद्यार्थियों के साथ पाठ्य पुस्तक के अध्यायों पर आधारित पाठ योजना अनुसार कार्य किये जाये।
- कक्षा 1 और कक्षा 2 के लिए FLN शिक्षण योजना हेतु शिक्षक ऐप का उपयोग करें। शिक्षक ऐप में पाठ्यपुस्तक के सभी पाठों पर कार्य करने हेतु शिक्षण योजना उपलब्ध की जायेगी। शिक्षक स्वयं भी कक्षा अनुसार अपनी योजना तैयार करें।
- विद्यार्थियों के विद्यालय/नवीन कक्षा में प्रवेश के प्रारम्भिक दिवसों में सीखने को रूचिकर बनाने हेतु स्थानीय भाषा/मातृभाषा में संवाद किए जाए।
- विद्यालय में उपलब्ध शिक्षण संसाधन जैसे एबीएल किट, पाठ्यपुस्तक, स्टोरी कार्ड, कार्यपुस्तिकाऐं आदि का गतिविधि एवं खेल आधारित शिक्षण के दौरान उपयोग सुनिश्चित किया जाए।
- **नवीन पाठ्यपुस्तक**– कक्षा 1 से 5 के लिए आरएससीईआरटी उदयपुर द्वारा 4–ब्लॉक पद्धति के आधार पर नवीन पुस्तके निर्मित की गई है जिन्हें विद्यार्थियों में विभिन्न कौशल विकसित करने में सहायता प्राप्त होगी।

❖ **कक्षा 3–5 के लिए :**

- कक्षा 3 से 5 के विद्यार्थियों के साथ सत्रारम्भ में बुनियादी कौशलों पर आधारित कार्यपुस्तिकाओं एवं पाठ्यपुस्तकों पर कार्य कराया जाये।
- विद्यार्थियों का वास्तविक कक्षा स्तर जानने के लिए शिक्षक एप्प पर उपलब्ध सीबीए के परिणाम को आधार बनाते हुए विषयवार/दक्षतावार समूह निर्माण किया जाए।
- उपचारात्मक (Remedial) कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह है कि कक्षा 3–5 के बच्चे कक्षा 2 के स्तर के सरल पाठ को पढ़ने और तथ्यात्मक प्रश्नों के उत्तर छोटे वाक्यों में देने की क्षमता प्राप्त कर सकें। साथ ही, इस कार्यक्रम का लक्ष्य उनकी संख्या ज्ञान (0-99) की समझ को विकसित करना और कक्षा 2 के स्तर की बुनियादी गणितीय संक्रियाओं, जैसे कि जोड़, घटाव, मापन के मूल सिद्धांत और पैटर्न जैसी दक्षताओं में उन्हें निपुण बनाना है।

RajKaj Ref No.:
23340073

- स्कूल रेडीनेस एवं उपचारात्मक कार्य पूर्ण होने के पश्चात् नियमित पाठ्य पुस्तक शिक्षण करवाया जावें।
- सीबीए के परिणामों के आधार पर कक्षा शिक्षण हेतु कक्षा 3 से 5 के विद्यार्थियों को समूह–अ (बुनियादी स्तर) और समूह–ब (बुनियादी स्तर से ऊपर) में वर्गीकरण शिक्षकों को शिक्षक एप्प के माध्यम से उपलब्ध कराया जायेगा। कक्षा 3 के विद्यार्थियों का समूह में वर्गीकरण कक्षा 2 के योगात्मक आकलन 3 (SA3) की स्थिति के आधार पर किया जायेगा।
- कक्षागत समूहवार शिक्षण कार्य के लिए बुनियादी स्तर की कार्यपुस्तिका, एबीएल किट, स्टोरी कार्ड एवं पाठ्यपुस्तकों का कक्षा शिक्षण में सीखने सिखाने की गतिविधियों में उपयोग किया जाना है।
- आरएससीईआरटी, उदयपुर के माध्यम से हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषय की साप्ताहिक शिक्षण योजनाओं को शिक्षक एप्प पर उपलब्ध कराया जायेगा।
- विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर का आकलन करते हुए कक्षा कक्षीय गतिविधियों को सभी स्तर के विद्यार्थियों के अनुरूप बनाते हुए शिक्षण कार्य करवाया जाए।
- आरएससीईआरटी, उदयपुर द्वारा कक्षा स्तरीय (At Grade) कार्यपुस्तिकाओं में 30 प्रतिशत बुनियादी स्तर एवं 70 प्रतिशत कक्षा स्तरीय दक्षताओं को शामिल किया गया है जिससे पाठ्यपुस्तिकाओं पर समृद्ध अभ्यास विद्यार्थियों को दिया जा सके।
- At Grade कार्यपुस्तिका को पाठ्यपुस्तक के पाठों से जोड़ा गया है, ताकि विद्यार्थी कक्षा में पढ़ाए गए विषयों का अभ्यास आसानी से कर सकें । इसमें हर अध्याय की मुख्य दक्षताओं के अनुसार गतिविधियाँ और अभ्यास दिए गए हैं । साथ ही, जो विद्यार्थी कक्षा स्तर से पीछे हैं, उनके लिए पूर्वज्ञान आधारित वर्कशीट और उसी अध्याय से जुड़ी सरल व अतिरिक्त अभ्यास वाली वर्कशीट्स भी शामिल की गई हैं, जिससे वे अपनी सीखने के स्तर के आधार पर आगे बढ़ सकेंगे।
- अकादमिक सत्र में माह जुलाई से हीं पाठ्यपुस्तिकाओं एवं कक्षा स्तरीय (At Grade) कार्यपुस्तिकाओं के माध्यम से शिक्षण कार्य किया जायेगा, जिसमें एबीएल किट, स्टोरी कार्ड एवं शिक्षक संदर्शिका का समुचित एवं समन्वित उपयोग किया जाये।
- पाठ्यपुस्तकों की विषय–वस्तु के अनुरूप शिक्षक एप्प पर पाठ के शिक्षण हेतु पाठ योजना फ्रेमवर्क तैयार कर शिक्षकों को प्रदान किया जायेगा। जिसके आधार पर शिक्षक अपनी योजना डायरी में शिक्षण पाठ योजना का निर्माण कर शिक्षण कार्य करेंगे।
- शिक्षक एप्प पर उपलब्ध करवायें जा रहे शैक्षिक संसाधनों यथा पाठ योजना फ्रेमवर्क, शिक्षक संदर्शिका, वीडियो कंटेंट इत्यादि का उपयोग करते हुए शिक्षण अधिगम कराया जाए।
- आरएससीईआरटी पोर्टल पर कक्षा 1 से 8 की कक्षाओं हेतु उपलब्ध आकलन प्रश्नों का अभ्यास जाए।

RajKaj Ref No.:
23340073

- पाठ्यपुस्तक के अन्तर्गत दिये गये दोहरान कार्य को अनिवार्यतः विद्यार्थियों के साथ कराया जाये।
- शिक्षण के बाद सतत रूप से आकलन अनिवार्यतः लिया जाना है, विद्यार्थी की प्रगति इन्द्राज की जानी है।
- विद्यार्थियों द्वारा समय–समय पर किये गये सृजनात्मक कार्य, शैक्षिक कार्य, अभ्यास कार्य , आकलन पत्रक (रचनात्मक,योगात्मक,CBA) पत्रकों का संधारण विद्यार्थी पोर्टफोलियो में किया जाये।
- विद्यार्थियों में पठन संस्कृति एवं पठन कौशलों के विकास हेतु पठन कालांश का आयोजन किया जाए इसके साथ ही प्रार्थना सभा में उपलब्ध संसाधनों जैसे– अखवार, कहानी की किताबें, पाठ्य पुस्तकों की कहानियां आदि से विद्यार्थियों द्वारा पठन किया जाये जिससे उनमें पढ़ने के प्रति आत्मविश्वास भी विकसित हो ।
- सामुदायिक सहभागिता को बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों के अभिभावकों हेतु निपुण कैलेण्डर का वितरण किया जायेगा, जिसमें शामिल गतिविधियों का आयोजन घर पर अभिभावकों के माध्यम से किया जायेगा।
- विद्यार्थी समग्र प्रगति पत्रक के रूप में विद्यार्थियों को सत्र के उपरान्त सभी विषयों की उपलब्धियों को ग्रेड के रूप में समेकित करते हुए HPC उपलब्ध कराए जायेगें।

4. <u>कक्षा 6 से 8 तक की शिक्षण व्यवस्था</u> –

- विद्यार्थियों में चिंतन कौशल व समस्या समाधान कौशल का विकास करने के लिए कक्षा स्तरीय दक्षताओं पर आधारित कार्यपुस्तिकाओ पर कार्य करवाना।
- पाठ्यपुस्तकों की विषय–वस्तु की गहरी समझ तथा विद्यार्थियों में उच्च स्तरीय कौशलों के विकास हेतु योजनाबद्ध तरीके से गतिविधि आधारित अधिगम कराना।
- विद्यार्थियों में स्वअभिव्यक्ति, रचनात्मकता, संचार कौशल इत्यादि के संवर्धन हेतु शैक्षिक व सहशैक्षिक गतिविधियों का आयोजन करना।
- कार्यपुस्तिकाओं तथा पाठ्य–पुस्तकों की पठन सामग्री के संबंध को समझते हुए कक्षा शिक्षण करवाना।

5. पठन कालांश एवं पुनरावृत्ति कालांशः–

- कक्षा 1 से 8 के लिए प्रतिदिन 7 वें कालांश का उपयोग पठन कालांश / Reading Period के रूप में किया जाये।
- गणित, हिन्दी व अंग्रेजी के लिए एक–एक कालांश प्रति सप्ताह का उपयोग पुनरावृत्ति हेतु किया जाये।

RajKaj Ref No.:
23340073

6. आकलन

विभिन्न परख/परीक्षा/योगात्मक आकलन/दक्षता आधारित आकलन के निर्देश–सत्र पर्यन्त आकलन हेतु परख एवं परीक्षाओं का निम्नानुसार आयोजन किया जाएगा–

(अ) कक्षा 1 व 2– शिविरा पंचाग के अनुसार

(ब)कक्षा 3 से 5

क्र.सं	आकलन का प्रकार	आधार	टाईमलाईन	वि.वि
1	ओआरएफ अंग्रेजी (बेसलाईन)	–	मई 2026 में आयेाजित	
2	ओआरएफ हिन्दी (बेसलाईन)	–	10 से 12 अगस्त 2026	
3	आधार रेखा आकलन (बेसलाईन)	गत सत्रों की दक्षताओं पर आधारित	जुलाई माह	
4	योगात्मक आकलन–1 एस.ए–1	सीसीई के विभिन्न टूल बिन्दु संख्या–11 के अनुसार	शिविरा पंचांग के अनुसार अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में	45 प्रतिशत पाठ्यक्रम
5	एआई आधारित दक्षता आकलन–1 (अंग्रेजी, गणित, हिन्दी विषयों के लिए)	एआई आधारित दक्षता आकलन–1 के लिये निर्धारित दक्षताओं के अनुसार	शिविरा पंचांग के अनुसार 15 से 29 अक्टूबर	
6	योगात्मक आकलन–2 (एस.ए–2)	सीसीई के विभिन्न टूल बिन्दु संख्या– 11 के अनुसार	शिविरा पंचांग के अनुसार नवम्बर माह के अंतिम सप्ताह में	35 प्रतिशत पाठ्यक्रम
7	ओआरएफ अंग्रेजी (एंडलाईन)	–	7 से 10 दिसम्बर 2026	
8	ओआरएफ हिन्दी (एंडलाईन)	–	14 से 17 दिसम्बर 2026	
9	योगात्मक आकलन–3 (एस.ए–3) एवं एआई आधारित दक्षता आकलन–2 (अंग्रेजी, गणित, हिन्दी विषयों के लिये)	सीसीई के विभिन्न टूल बिन्दु संख्या– 11 के अनुसार एआई आधारित दक्षता आधारित आकलन–2 के लिये निर्धारित दक्षताओं के अनुसार	शिविरा पंचांग के अनुसार 8 से 20 मार्च, 2027	20 प्रतिशत पाठ्यक्रम (कक्षा 3 एवं 4 के लिये) कक्षा 5 के लिये बोर्ड परीक्षा

RajKaj Ref No.:
23340073

(स) कक्षा 6 से 8

क्र.सं.	परख / परीक्षा	निर्धारित तिथि	अंक विभाजन व विशेष विवरण
1	प्रथम परख	शिविरा पंचांग के अनुसार मई में आयोजित किया गया।	-
2	ORF अंग्रेजी (बेसलाइन)	मई में आयोजित किया गया।	-
3	ORF हिन्दी (बेसलाइन)	10 से 12 अगस्त 2026	-
4	द्वितीय परख	शिविरा पंचांग के अनुसार 17 से 19 अगस्त, 2026	-
5	अर्द्धवार्षिक परीक्षा एवं एआई आधारित दक्षता आकलन–1	शिविरा पंचांग के अनुसार 15 से 29 अक्टूबर	1. कक्षा 6 से 8 के लिए अंग्रेजी, गणित,हिन्दी हेतु 20 अंक का एआई आधारित दक्षता आकलन तथा 50 अंक की परीक्षा 2. कक्षा 6 से 8 के लिए अंग्रेजी, गणित,हिन्दी के अतिरिक्त शेष विषयों में पूरे 70 अंक की परीक्षा 3. शेष कक्षाओं / विषयो में पूर्ववत् अंक विभाजन
6	तृतीय परख	शिविरा पंचांग के अनुसार 17 से 19 दिसम्बर	-
7	ORF अंग्रेजी (एंडलाइन)	7 से 10 दिसम्बर 2026	-
8	ORF हिन्दी (एंडलाइन)	14 से 17 दिसम्बर 2026	-
9	वार्षिक परीक्षा एवं एआई आधारित दक्षता आकलन–2	शिविरा पंचांग के अनुसार 8 से 20 मार्च, 2027	1. कक्षा 6 से 7 के लिए अंग्रेजी, गणित,हिन्दी हेतु 20 अंक का एआई आधारित दक्षता आकलन तथा 50 अंक की परीक्षा 2. कक्षा 6 से 7 के लिए अंग्रेजी, गणित,हिन्दी के अतिरिक्त शेष विषयों में पूरे 100 अंक की परीक्षा 3. शेष कक्षाओं / विषयो में पूर्ववत् अंक विभाजन 4. कक्षा 8 में बोर्ड परीक्षा का आयोजन

RajKaj Ref No.:
23340073

7. कलस्टर कार्यशालाः

- इस वर्ष 02 कलस्टर स्तरीय कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी ।
- इस सत्र में एक कार्यशाला अगस्त माह में और दूसरी कार्यशाला दिसम्बर माह में आयोजित की जायेगी जिसके विस्तृत दिशा–निर्देश राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर द्वारा पृथक से जारी किये जायेंगे।
- कलस्टर स्तरीय कार्यशालाएं शिक्षकों को क्षमता संवर्धन एवं अकादमिक संबलन प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इन कार्यशालाओं में दक्ष प्रशिक्षक/केआरपी/एसआरजी/डाईट सदस्यों द्वारा शिक्षकों की चुनौतियों के निराकरण हेतु कार्य किया जायेगा ।
- शिक्षक आपस में अपने अनुभवों से भी एक दूसरे का क्षमता संवर्धन सहयोग करेंगे । इन कलस्टर स्तरीय कार्यशालाओं की तैयारी में डाइट संकाय के सदस्य दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जायेगा।
- इन कलस्टर स्तरीय कार्यशालाओं के माध्यम से शिक्षकों को FLN के लक्ष्यों को प्राप्त करने की कार्य योजना समझने में मदद मिलेगी।
- शिक्षण के विभिन्न आयामों व विधियों द्वारा बच्चों की अधिकतम भागीदारी के प्रयास सीखना, रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए समझ विकसित करना।

8. प्रखर 3.0:

- रीडिंग प्रमोशन केम्पैन (प्रखर 3.0) शैक्षणिक वर्ष 2026–27 के लिए एक "रीडिंग प्रमोशन कार्यक्रम है"
- **यह 15 अगस्त से 30 नवम्बर 2026 तक** चलने वाली गतिविधियों की श्रृंखला है ।
- राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा संचालित "मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान" (MSRA) के तीसरे चरण के रूप में, यह पहल विद्यालय और समुदाय स्तर पर पूरे वर्ष पठन संस्कृति को विकसित करना और उसे बनाये रखने पर केन्द्रित है, साथ ही इसमें विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत और धाराप्रवाह पठन के साथ पढ़कर समझना समझना शामिल हैं ।
- यह कैम्पेन सामुदायिक सहभागिता तथा शैक्षिक उत्कृष्टता के आधार पर भी केंद्रित है ।
- इसकी विस्तृत गाइडलाइन अलग से उपलब्ध करवाई जाएगी ।

9. मेगा PTM

- वर्तमान शैक्षिक सत्र में शिविरा पंचागः 2026–27 के अनुसार शिक्षक–अभिभावक बैठक (PTM) की 03 बैठकें अग्रांकितानुसार आयोज्य हैं:–

RajKaj Ref No.:
23340073

1. शिक्षक–अभिभावक बैठक प्रथम – 16 मई, 2026 (शनिवार)
2. शिक्षक–अभिभावक बैठक द्वितीय – 21 नवम्बर, 2026 (शनिवार)
3. शिक्षक–अभिभावक बैठक तृतीय – 16 जनवरी, 2027 (शनिवार)

मेगा PTM के दौरान प्रार्थना सभा में अभिभावकों की भागीदारी, विद्यार्थियों द्वारा पठन गतिविधियों का प्रदर्शन, विद्यार्थियों के सीखने स्तर पर चर्चा, शिक्षण सामग्री, पुस्तकालय गतिविधियाँ, पठन कालांश की गतिविधियों का प्रदर्शन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, आकलन के परिणामों पर चर्चा, घर पर सीखने में सहयोग और आगामी बैठक की योजना तैयार करना आदि कार्य किये जाएंगे।

10. निपुण मेला:

- निपुण मेला एक नवाचारी गतिविधि के रूप में आयोजित किया जाना है ।
- निपुण मेले का आयोजन प्रत्येक पीईईओ /यूसीईईओ विद्यालय स्तर पर 16 जनवरी 2027 (मेगा PTM के साथ) आयोजित किया जाएगा ।
- निपुण मेला FLN आधारित थीम के अनुसार आयोजित किया जाएगा ।
- निपुण मेले में विद्यार्थियों, मेंटर शिक्षकों के समन्वय से गतिविधियों की स्टाल लगाई जाएगी, जहां बच्चों के स्तर अनुसार खेल गतिविधियां आयोजित की जाएगी ।
- प्रखर 3.0 में किये गए रचनात्मक कार्यों और पठन गतिविधियों का प्रदर्शन किया जाएगा
- आयोजित गतिविधियों के साथ क्षेत्रीय परिवेश में लोकप्रिय खेलों, स्थानीय कहानियों और बालगीतों को भी शामिल किया जाएगा ।

11 हमारे दायित्व –

11.1 शिक्षक के रूप में :–

- बालक–बालिकाओं का निर्धारित समय पर आधार रेखा/पदस्थापन मूल्यांकन कर दर्ज किया जाये
- अध्यापक योजना डायरी में पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु/दक्षता आधार पर शिक्षण योजना बनाकर बच्चों के साथ कार्य करें एवं निर्देशानुसार शैक्षिक व सह–शैक्षिक गतिविधियों का नियमित रूप से नियोजन करं आकलन करें।
- FLN के निर्धारित लक्ष्यों जैसे–मौखिक भाषा विकास, डि–कोडिंग, पठन एवं लेखन एवं संख्या ज्ञान कौशलों के लिए निरन्तर अभ्यास कराए।
- सहायक सामग्री के रूप में एबीएल किट, स्टोरी कार्ड, पाठ्यपुस्तक, कला किट सामग्री आदि का यथा समय उपयोग किया जाए।

RajKaj Ref No.:
23340073

- विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई गई कार्यपुस्तिकाओं में नियमित रूप से अभ्यास कार्य कराया जाये तथा नियमित रूप से जाँच कर फीडबैक प्रदान किया जाये।
- मौखिक चर्चाओं के दौरान बच्चों की स्थानीय भाषा का समुचित उपयोग करे।
- शिक्षक एप्प का प्रदत्त निर्देशानुसार नियमित रूप से उपयोग किया जाए।
- योगात्मक आकलन के पश्चात् विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति का पोर्टल पर इन्द्राज किया जाये।
- पीटीएम में विद्यार्थियों की प्रगति को अभिभावकों के साथ साझा किया जाए।
- अभिभावकों को निपुण कैलेण्डर पर समुदाय बैठकों एवं गृहविजिट के दौरान प्रशिक्षित किया जाये।
- दक्षता आधारित आकलन की ओसीआर को निर्धारित अवधि में ऐप पर अपलोड करना।

11.2 संस्था प्रधान के रूप में :

- प्रवेश के साथ ही शाला दर्पण पर विद्यार्थियो के प्रपत्र 5, 7, 9 पूर्ण करना व समय–समय पर वांछित अद्यतन करना।
- सत्रारम्भ में ही शाला दर्पण पर कक्षाध्यापक व विषयाध्यापक मैपिंग पूर्ण करना व समय–समय पर वांछित अद्यतन करना।
- निश्चित समय पर समस्त विद्यार्थियों को कार्यपुस्तिका व निशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण सुनिश्चित करना
- अध्यापक की शिक्षण योजना डायरी का अवलोकन कर अनिवार्य रूप से फीडबैक प्रदान करना।
- पोर्टफोलियो को साप्ताहिक अपडेट करवाना, सतत रचनात्मक आकलन नियमित दर्ज करवाना।
- एसएमसी/अभिभावक शिक्षक की बैठकों में अभिभावकों से विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति साझा करवाना।
- शिक्षकों को शिक्षण कार्य में आ रही कठिनाइयों का निराकरण करवाने के लिए डाइट द्वारा चयनित अकादमिक समूहध्दक्ष प्रशिक्षकों एवं जिले की डीएजी/डीसीजी कमेटी से सहयोग प्राप्त करना।
- गतिविधि के अन्तर्गत शिक्षकों द्वारा किए जा रहे कार्यों में सहयोग/मार्गदर्शन प्रदान करना।
- विद्यार्थियो की कार्यपुस्तिका अभ्यास की प्रभावी मॉनीटरिंग करना।

RajKaj Ref No.:
23340073

11.3 पीईईओ/यूसीईईओ के रूप में :

- गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा हेतु परिक्षेत्र के शिक्षकों के साथ नियमित रूप से समीक्षा बैठक आयोजित की करना।
- अधीनस्थ समस्त विद्यालयों में नियमित रूप से शिक्षण गतिविधियों का क्रियान्वयन करवाना।
- कलस्टर कार्यशालाओं के आयोजन होने पर संबंधित विषयाध्यापकों की उपस्थिति एवं भागीदारी शत–प्रतिशत सुनिश्चित कराना तथा शिक्षकों से कलस्टर कार्यशाला के पश्चात प्रतिवेदन आवश्यक रूप से प्राप्त करना।
- कलस्टर कार्यशालाओं के दौरान शिक्षकों के कक्षा शिक्षण संबंधी समस्याओं एवं उनके क्षमता संवर्धन हेतु कार्ययोजना तैयार करना एवं इसकी क्रियान्विति करवाना ।

11.4 ब्लॉक व जिला स्तरीय अधिकारी के रूप में :

- FLN सीसीई, सीसीपी और एबीएल के क्रियान्वयन एवं प्रभावी संचालन की सुनिश्चितता हेतु डाइट प्राचार्य जिला अकादमिक समूह की नियमित बैठक आयोजित करेंगे।
- ब्लॉक में होने वाली शैक्षिक गतिविधियों की मॉनिटरिंग, संबलन व अकादमिक समर्थन का निष्पादन ब्लॉक सन्दर्भ व्यक्ति (आर.पी.) के सहयोग से ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी द्वारा किया जाये।
- ब्लॉक एवं जिला स्तरीय अधिकारियों, पीएमयू एवं आरईआई पार्टनर्स द्वारा शाला सम्बलन एप्प एवं विद्या समीक्षा केन्द्र द्वारा तैयार चैकबॉट के माध्यम से कक्षा अवलोकन किया जाए।
- अवलोकन से प्राप्त परिणामों को डैशबोर्ड के माध्यम से विश्लेषण कर कलस्टर कार्यशालाओं, समीक्षा बैठकों (DRM, BRM) में समीक्षा की जाये एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश प्रदान किये जायें।
- ब्लॉक एवं जिला स्तरीय अधिकारी नियमित रूप से विद्यालयों में शैक्षिक संबलन प्रदान करें।

(डॉ. रश्मि शर्मा)
आई.ए.एस
राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्,
जयपुर

(सीताराम जाट)
आई.ए.एस
निदेशक माध्यमिक शिक्षा
राजस्थान, बीकानेर एवं पदेन
अति. राज्य परि. निदेशक (वरिष्ठ)
समग्र शिक्षा अभियान (समसा)

RajKaj Ref No.:
23340073

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1. निजी सचिव, अति0 मुख्य सचिव, स्कूल एवं संस्कृत शिक्षा विभाग, जयपुर।
2. निजी सचिव, आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर।
3. निजी सहायक, निदेशक, माध्यमिक शिक्षा एवं प्रारम्भिक शिक्षा, बीकानेर।
4. निदेशक, आरएससीईआरटी, उदयपुर।
5. अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक, प्रथम/द्वितीय, समसा, जयपुर।
6. संयुक्त्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, समस्त संभाग।
7. मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, समस्त जिले।
8. जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय), माध्यमिक शिक्षा/प्रारम्भिक शिक्षा समस्त जिले।
9. समस्त प्राचार्य, डाइट।
10. उपनिदेशक गुणवत्ता शिक्षा, निदेशालय, प्रारम्भिक / माध्यमिक शिक्षा, बीकानेर।
11. अति0 जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा अभियान, समस्त जिले।
12. मुख्य ब्लॉकशिक्षा अधिकारी एवं पदेन बीआरसीएफ, समग्र शिक्षा समस्त जिले।
13. समस्त पीईईओ/यूसीईईओ।
14. कार्यालय प्रति।

निदेशक, माध्यमिक शिक्षा
राजस्थान, बीकानेर एवं पदेन
अति राज्य परि निदेशक (वरिष्ठ)
समग्र शिक्षा अभियान (समसा)

RajKaj Ref No.:
23340073